MAHD-08

June - Examination 2019

M.A. (Final) Hindi Examination

आधुनिक हिन्दी कविता और गीत–परम्परा

Paper - MAHD-08

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

(i) 'लौट आ ओ धार' कविता के रचनाकार कौन हैं?

(ii) नरेश मेहता द्वारा रचित उल्लेखनीय प्रबन्ध कृति का नाम बताइए।

(iii) कवि गिरिजाकुमार माथुर की कोई दो कृतियों के नाम लिखिए।

(iv) 'बाँस का पुल' और 'एक सूनी नाव' कविता संग्रह किस कवि के हैं?

(v) 'आम्रबोर का अर्थ' की भाव संवेदना को अभिव्यक्त कीजिए।

(vi) वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर से प्रकाशित 'रेत राग' कविता संग्रह के रचनाकार का नाम बताइए।

(vii) नवगीत किसे कहते हैं?

(viii) 'मधुवन्ती बेला' गीत का भावार्थ संक्षिप्त में लिखिए।

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों मे परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

2) हिम केवल हिम –
अपने शिव रूप में
हिम ही हिम अब।
रंग–गंध सब परित्यागकर
भोजपत्रवत हिमाच्छादित
वनस्पति से हीन
धरित्री
स्वयं तपस्या।

3) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

भोर होते होते

यौवन की किसी प्यारी सूनी वनखंडी मैं
जलते टेसुओं की छाँह तले सुर्ख हो जाती थी।
गुदना गुदाये स्वस्थ मांसल पिंडलियाँ थिरकाती
ढोल, मादल, बांसुरी पर नाचती थी

पलक झुका गीले केश फैलाये
रामायण की कथा बाँधती थी।

4) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

सामने है अँधियाला ताल और
स्याह उसी ताल पर
सँवलायी चाँदनी
समय का घंटाघर
गगन में चुपचाप अनाकार खडा है
परन्तु बतलाते
जिन्दगी के काँटे ही

5) ''क्या नयी कविता छायावाद की प्रतिक्रिया थी?'' कथन की व्याख्या कीजिए।

6) शमशेर बहादुर सिंह अपने परिवेश के प्रति बेहद जागरूक एवं संवेदनशील हैं। कैसे? स्पष्ट कीजिए।

7) महाप्रस्थान खण्ड काव्य के यात्रा पर्व एवं स्वाहा पर्व के मूल कथ्य पर प्रकाश डालिए।

8) 'असिद्ध की व्यथा' कविता की संवेदना व शिल्प पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

9) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य में लोकचेतना को अभिव्यक्त कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपका उत्तर 500 शब्दों में परिसीमित होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) मुक्तिबोध अपनी काव्यानुभूति के अनुरूप शिल्प का निर्माण करने में सक्षम हैं। इस कथन का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।

11) धर्मवीर भारती के काव्य में अनुभूति पक्ष और अभिव्यंजना पक्ष का विवेचन कीजिए।

12) वीरेन्द्रमिश्र के गीतों में संवेदना और शिल्प का विवेचन कीजिए।

13) 'समकालीन कविता: नयी कविता की पुनर्स्थापना है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।